Title: Need to check erosion of agricultural land in Aligarh and Mathura districts of Uttar Pradesh.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे लोक महत्व के प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया। हमारा देश कृषि प्रधान देश है। कृषि इस देश की ऐसी राष्ट्रीय सम्पदा है जो सारी सम्पदाओं को जन्म देती है। यदि कृषि भूमि के साथ खिलवाड़ होता है तो राष्ट्र का अहित होता है। यमुना नदी मेरठ से निकल कर बागपत, गौतम बुद्ध नगर होते हुए मथुरा, आगरा तक जाती है। मानसून के समय जब इसमें बाढ़ आती है तो हमारे राज्य की लाखों हैक्टेअर भूमि उसके कटान में बह जाती है। जिसके कारण वहां के किसानों का बहुत बड़ा अहित होता है, राष्ट्रीय उत्पादन में कमी आती है और राष्ट्र की हानि होती है। यही नहीं जब कभी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में इस पर भूमि विवाद होता है तो उस विवाद में कई बार गोलियां तक चली हैं और लोगों की जानें भी गई हैं। यह एक अहम् मसला है और इसलिए यहां पर सीमांकन होना भी नितांत आवश्यक है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर आकृट करना चाहता हूं कि भविय में इस तरह की वीभत्स दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तथा भूमि के क्षरण को बचाने के लिए कोई एक बड़ी योजना लाई जाए और यदि कोई योजना चालू की जा रही है तो विकास की दृटि से उसे वहां लागू किया जाए। यदि ऐसी कोई योजना नहीं है तो इस तरह की योजना वहां लागू की जाए, ताकि आपस में विवाद की घटनाएं न हो सकें और उसका लाभ राष्ट्र को तथा किसानों को भी मिल सके।

MR. SPEAKER: This is an important matter.